Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

21

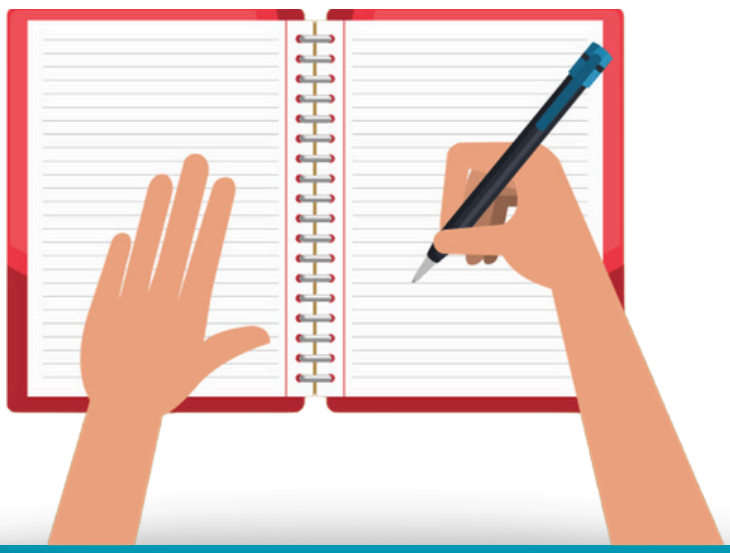

21/Jan/P1

ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह सीआरपीएफ महानिदेशक नियुक्त

- भारत सरकार ने असम पुलिस के प्रमुख 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह को (CRPF) का नया महानिदेशक नियुक्त किया है।
- उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि 30 नवंबर 2027 निर्धारित है।
- इससे पहले वे (SPG) और NIA में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत थे।

CRPF

- स्थापना - 27 जुलाई 1939
- इसे पहले क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के नाम से हुई।
- 28 दिसंबर 1949 को सीआरपीएफ अधिनियम लागू हुआ।
- इसका नाम बदलकर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कर दिया गया।
- यह गृह मंत्रालय के तहत कार्य करता है।
- भारत का सबसे बड़ा अर्द्धसैनिक बल है।

@resultmitra www.resultmitra.com

विशेष सुरक्षा समूह (SPG)

यह भारत की एक प्रमुख सुरक्षा एजेंसी है जिसकी स्थापना 1985 में हुई थी। इसका प्रमुख उद्देश्य वर्तमान प्रधानमंत्री उनके परिवार पूर्व प्रधानमंत्रियों व उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

SPG के प्रमुख तथ्य

(1) स्थापना

(2) प्रमुखकार्य

(3) अधिनियम

(4) कार्यप्रणाली

(5) नियंत्रण

(6) सुरक्षा स्तर

(7) विशेष प्रशिक्षण

(8) सुरक्षित व्यक्तियों में बदलाव

(9) कर्मचारियों का चयन

(10) विशेष प्रतीक और वर्दी

@resultmitra www.resultmitra.com

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA)

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) भारत की एक प्रमुख जाँच एजेंसी है जो आतंकवाद से जुड़े मामलों की जाँच करती है इसकी स्थापना साल 2008 में हुई थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

- यह भारत सरकार की संघीय जाँच एजेंसी है
- यह गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करती है।

Result Mitra

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2025 को ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है। इसके साथ ही 2025 को (से) प्रत्येक 21 मार्च को विश्व ग्लेशियर दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

ग्लेशियर का महत्व

- जल आपूर्ति
- समुद्र स्तर पर प्रभाव

अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन (IWC 11)

अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन जल से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों और संगठनों को एक साथ लाने का एक मंच है।

- संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन का पहला आयोजन साल 1977 में अर्जेंटीना में हुआ था।
- 2023 में संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन न्यूयॉर्क में आयोजित किया गया था।
- 2026 में संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन सेनेगल और संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया गया था।

2025 ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित

ग्लेशियरों का महत्व:

- मीठे पानी का भंडार:
  - ग्लेशियर दुनिया के मीठे पानी के सबसे बड़े भंडार हैं और लगभग 70% ताजे पानी को संरक्षित करते हैं।
  - दुनिया की लगभग 2 बिलियन आबादी सीधे या परोक्ष रूप से ग्लेशियरों पर निर्भर है।
- जलवायु संतुलन:
  - ग्लेशियर पृथ्वी के तापमान को संतुलित रखते हैं क्योंकि वे सौर विकिरण (solar radiation) को परावर्तित करते हैं।
  - इनका पिघलना जलवायु परिवर्तन को और तेज कर सकता है।
- नदी तंत्र का स्रोत:
  - ग्लेशियर हिमालय की प्रमुख नदियों जैसे गंगा, यमुना, सिंधु और ब्रह्मपुत्र का मुख्य स्रोत हैं।
  - इन नदियों का जल कृषि, ऊर्जा और पीने के लिए लाखों लोगों के लिए आवश्यक है।
- पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र:
  - ग्लेशियरों से पिघलने वाला पानी न केवल नदियों को भरता है बल्कि आस-पास के पारिस्थितिकीय तंत्र को भी सहारा देता है।
  - हिमालय जैसे क्षेत्रों में पाए जाने वाले अद्वितीय वनस्पति और जीव जंतु ग्लेशियरों के ठंडे जल पर निर्भर हैं।

ग्लेशियर संरक्षण के उद्देश्य:

संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा इस वर्ष के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों पर काम किया जाएगा:

1. वैज्ञानिक शोध का समर्थन:
    - ग्लेशियरों के पिघलने की दर और उनके प्रभाव का अध्ययन करने के लिए नए शोध कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।
2. नीति निर्माण:
    - वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियर संरक्षण से संबंधित कानून और नीतियाँ बनाई जाएँगी।
3. स्थानीय समुदायों की भागीदारी:
    - ग्लेशियरों के पास रहने वाले समुदायों को संरक्षण के प्रयासों में शामिल किया जाएगा।
4. प्रौद्योगिकी का उपयोग:
    - ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग ग्लेशियरों की निगरानी और अध्ययन के लिए किया जाएगा।
5. पुनःस्थापन प्रयास:
    - हिमालय, आल्प्स, एंडीज और आर्कटिक क्षेत्रों में पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली (ecological restoration) के प्रयासों को तेज किया जाएगा।

चुनाव प्रचार में AI का प्रयोग

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) ने दिल्ली विधानसभा में चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों को उनके प्रचार अभियानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) द्वारा निर्मित सामग्री का जिम्मेदार एवं पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct - MCC) लागू हो गई।

- ECI द्वारा हाल ही में दिशा-निर्देश दिये गए हैं जिसमें AI जनरेटेड सामग्री के उपयोग के संबंध में लेबलिंग एवं प्रकटीकरण मानदंड प्रस्तुत किये गये हैं।
- इसके तहत दलों को AI तकनीकि के उपयोग से निर्मित या अत्यधिक परिवर्तित किसी भी छवि, वीडियो, ऑडियो या अन्य सामग्री को AI जनरेटेड डिजिटल रूप से संवर्धित या सिंथेटिक सामग्री जैसे नोटिफिकेशन के साथ स्पष्ट रूप से बताना (लेबल करना) होगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्या है?

* आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अर्थ है बनावटी (कृत्रिम रूप) से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता।

* आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक जॉन मैकार्थी है

भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)

- भारतीय निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है।
- इसकी स्थापना 25 जनवरी 1950 को संविधान के अनुसार की गई थी।
- आयोग का सचिवालय नई दिल्ली में है।
- यह निकाय भारत में लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभा तथा देश में राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पदों के लिए निर्वाचन का प्रबंधन करता है।
- भाग XV (अनु. 324-329) यह निर्वाचन से संबंधित है

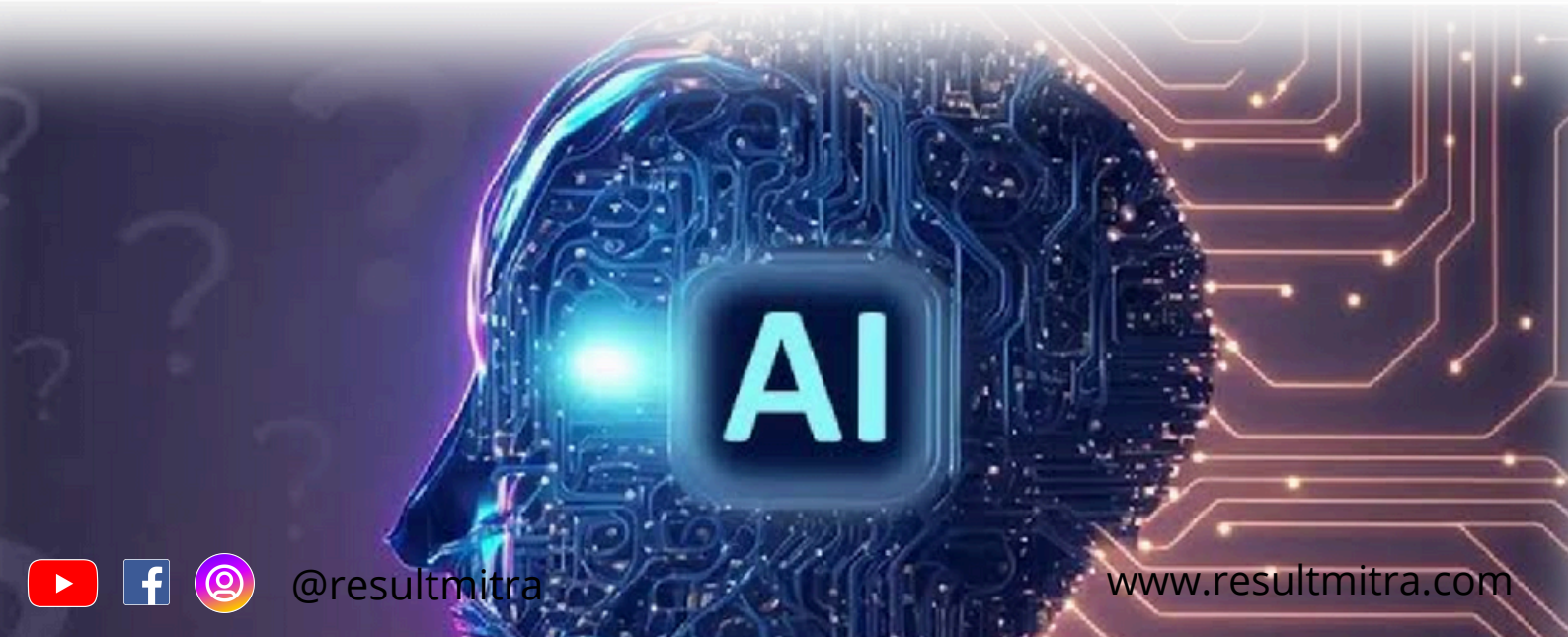

चुनाव प्रचार में AI का प्रयोग

चुनाव में AI का उपयोग: विभिन्न देशों के उदाहरण

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का उपयोग दुनिया भर में चुनाव प्रचार, मतदाता विश्लेषण, और चुनावी प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए तेजी से बढ़ रहा है। कई देशों ने AI का चुनावी प्रक्रिया में उपयोग किया है, जिससे उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को अपने अभियान को बेहतर तरीके से संचालित करने में मदद मिली है। यहाँ विभिन्न देशों में AI के चुनावी उपयोग के कुछ प्रमुख उदाहरण दिए गए हैं:

1. अमेरिका (United States):

अमेरिका में AI का चुनाव में उपयोग व्यापक रूप से किया गया है, विशेष रूप से राष्ट्रपति चुनावों में।

a. डेटा एनालिटिक्स और माइक्रो-टारगेटिंग:

2016 अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव:

डोनाल्ड ट्रंप के अभियान में कैम्ब्रिज एनालिटिका ने AI और बिग डेटा का उपयोग किया।

AI ने मतदाताओं की सोशल मीडिया गतिविधियों का विश्लेषण करके व्यक्तिगत स्तर पर माइक्रो-टारगेटिंग की।

मतदाताओं के छोटे समूहों को उनके मुद्दों के आधार पर व्यक्तिगत संदेश भेजे गए।

b. सोशल मीडिया अभियान:

AI-आधारित बॉट्स का उपयोग किया गया, जो बड़े पैमाने पर ट्विटर और फेसबुक पर राजनीतिक संदेश प्रसारित करते थे।

AI ने चुनाव के दौरान झूठी खबरों (fake news) की पहचान और उनका प्रसार भी किया।

c. Sentiment Analysis:

- AI ने सोशल मीडिया और समाचार प्लेटफार्मों पर मतदाताओं की भावनाओं (sentiments) को समझने के लिए डेटा का विश्लेषण किया।
- इससे यह पता चला कि मतदाता किस मुद्दे पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।

2. भारत (India):

भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश में AI का चुनावी प्रचार में उपयोग हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ा है।

a. मतदाता डेटा का विश्लेषण:

- भारतीय राजनीतिक दलों ने चुनावी रणनीति बनाने के लिए AI का उपयोग किया।
- 2019 लोकसभा चुनाव:
  - AI का उपयोग भाजपा और कांग्रेस ने मतदाताओं के डेटा को प्रोसेस करने और चुनावी रणनीतियाँ तैयार करने के लिए किया।
  - नरेंद्र मोदी ऐप का उपयोग मतदाताओं के फीडबैक लेने और व्यक्तिगत संदेश भेजने के लिए किया गया।

b. सोशल मीडिया प्रचार:

- AI टूल्स का उपयोग फेसबुक, ट्विटर, और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफार्मों पर प्रचार सामग्री तैयार करने और प्रसारित करने के लिए किया गया।

c. मतदाता जागरूकता:

- AI-आधारित बॉट्स का उपयोग मतदाताओं को मतदान की प्रक्रिया और उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करने के लिए किया गया।

3. यूनाइटेड किंगडम (United Kingdom):

a. Brexit Referendum (2016):

- Brexit के दौरान, AI ने मतदाताओं की राय जानने और उन्हें लक्षित करने में एक बड़ी भूमिका निभाई।
- AI का उपयोग मतदाताओं को व्यक्तिगत विज्ञापन दिखाने के लिए किया गया।
- सोशल मीडिया पर अभियान चलाने के लिए AI-आधारित डेटा एनालिटिक्स कंपनियों ने काम किया।

4. कनाडा (Canada):

a. चुनावी रणनीति में AI:

- कनाडा में AI का उपयोग राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं की प्राथमिकताओं को समझने और अभियान सामग्री तैयार करने के लिए किया गया।
- AI ने डेटा एनालिसिस के जरिए यह पता लगाया कि कौन से मुद्दे अधिक महत्वपूर्ण हैं और उन्हें कैसे संबोधित किया जाए।

b. फेक न्यूज और गलत सूचना पर नजर:

- AI-आधारित टूल्स का उपयोग फर्जी खबरों और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली गलत सूचनाओं की पहचान के लिए किया गया।

5. ऑस्ट्रेलिया (Australia):

a. राजनीतिक विज्ञापन:

- AI का उपयोग मतदाताओं को व्यक्तिगत विज्ञापन दिखाने और अधिक प्रभावी ढंग से लक्षित करने के लिए किया गया।
- सोशल मीडिया पर AI ने मतदाताओं की भावनाओं को समझकर मुद्दों को प्रचारित किया।

b. वर्चुअल असिस्टेंट:

- कुछ राजनीतिक दलों ने AI-आधारित वर्चुअल असिस्टेंट का उपयोग किया, जो मतदाताओं के सवालों का जवाब देते थे और पार्टी की नीतियों के बारे में जानकारी प्रदान करते थे।

6. ब्राजील (Brazil):

a. झूठी खबरों का मुकाबला:

- ब्राजील में चुनाव के दौरान फेक न्यूज (fake news) एक बड़ी समस्या रही है।
- AI टूल्स ने गलत जानकारी को फैलने से रोकने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की निगरानी की।
- उदाहरण: फेसबुक और व्हाट्सएप पर फैलाई जाने वाली खबरों का सत्यापन।

b. मतदाता डेटा का विश्लेषण:

- राजनीतिक दलों ने AI का उपयोग मतदाताओं की सोच और उनके व्यवहार का विश्लेषण करने के लिए किया।

Result Mitra

7. इज़राइल (Israel):

a. साइबर सुरक्षा:

- इज़राइल ने चुनावी प्रक्रिया को साइबर हमलों से बचाने के लिए AI-आधारित साइबर सुरक्षा सिस्टम का उपयोग किया।

b. सोशल मीडिया और डेटा एनालिटिक्स:

- AI ने सोशल मीडिया पर ट्रेंड्स की निगरानी की और यह समझा कि कौन से मुद्दे मतदाताओं के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक हैं।

चुनाव प्रक्रिया में तकनीकी उपयोग:

- EVM (Electronic Voting Machines):
  - 1999 से भारत में सभी चुनावों में EVM का उपयोग किया जा रहा है।
- VVPAT (Voter Verifiable Paper Audit Trail):
  - 2013 से VVPAT मशीनों का उपयोग मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि उसका वोट सही उम्मीदवार को गया है।
- IT प्लेटफॉर्म्स:
  - ECI द्वारा डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई एप्लिकेशन और पोर्टल्स विकसित किए गए हैं:
    - cVIGIL ऐप: चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराने के लिए।
    - Voter Helpline App: मतदाता सूची, मतदान केंद्र, और अन्य जानकारी के लिए।

राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव

राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव 2024-25 का आयोजन 18 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र दिल्ली में किया गया।

- यह महोत्सव राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (NCSM) के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है
- इस महोत्सव में देशभर के 28 राज्यों और 8 केन्द्रशासित प्रदेशों के 40000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद

यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला एक स्वायत्त निकाय है।

- इसकी स्थापना 5 अप्रैल 1978 को हुई थी।
- मुख्यालय - कोलकाता
- यह विज्ञान संचार का एक प्रमुख संस्थान है।

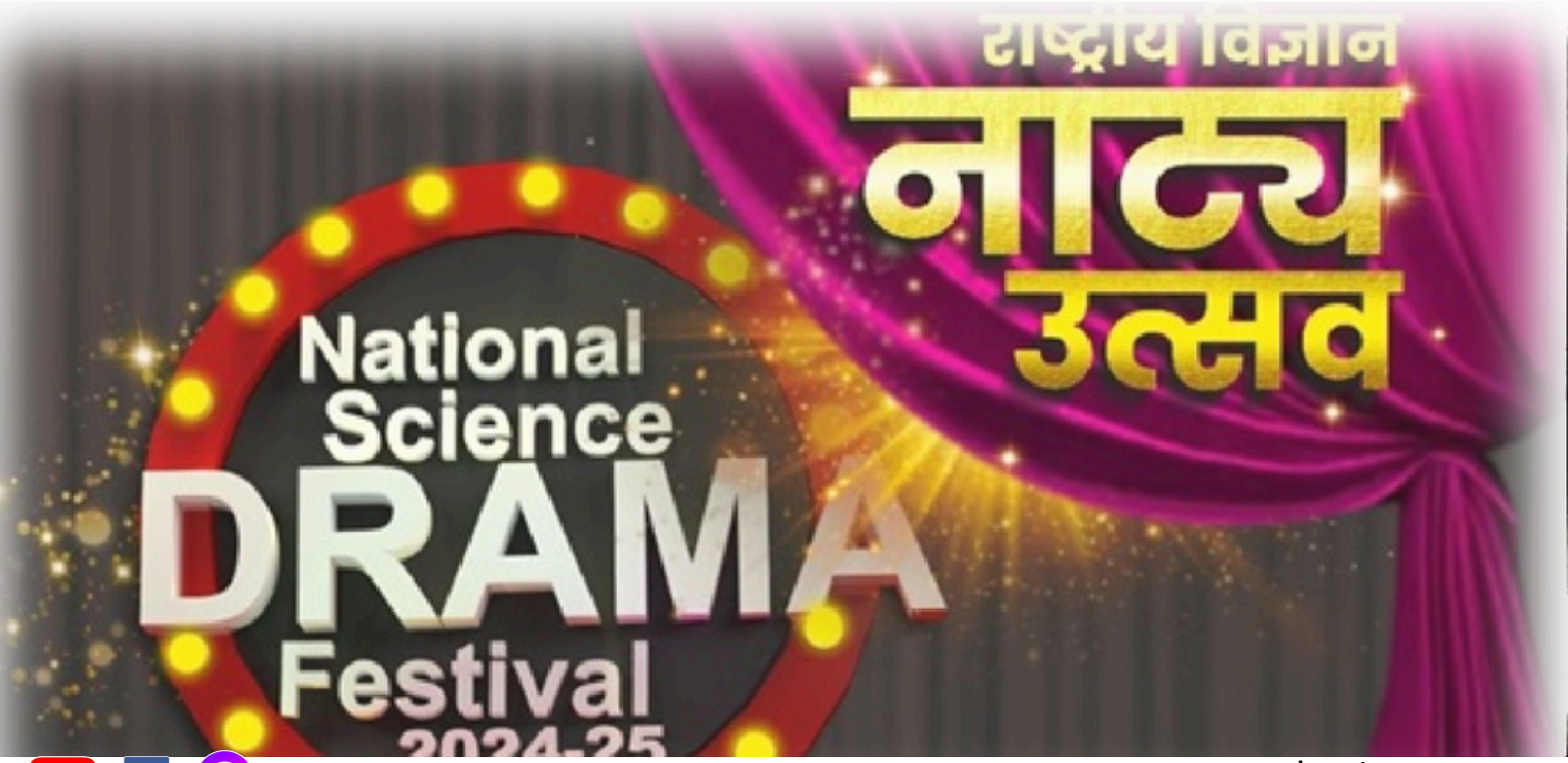

राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव

राष्ट्रीय विज्ञान ड्रामा महोत्सव का उद्देश्य

1. विज्ञान को सरल और मनोरंजक बनाना:
    - विज्ञान की अवधारणाओं को नाटकों और प्रस्तुतियों के माध्यम से आम जनता और विशेष रूप से छात्रों के बीच पहुंचाना।
2. वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रसार:
    - वैज्ञानिक दृष्टिकोण (Scientific Temper) को बढ़ावा देना, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A(h) के तहत प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है।
3. प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रोत्साहन:
    - छात्रों, शिक्षकों और कला प्रेमियों को विज्ञान से जुड़े नाटकों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा को व्यक्त करने का मौका देना।
4. विज्ञान और समाज के बीच संबंध:
    - यह दिखाना कि विज्ञान का हमारे दैनिक जीवन, समाज और पर्यावरण पर कितना प्रभाव है।
5. स्थानीय और क्षेत्रीय संस्कृतियों को विज्ञान से जोड़ना:

विज्ञान के विचारों को स्थानीय भाषाओं, कला और संस्कृति के साथ जोड़कर पेश

Result Mitra

भारतीय महिला और पुरुष टीम बनी पहली खोखो विश्व चैंपियन

भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने खो खो विश्वकप 2025 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए दोनों श्रेणियों में चैंपियनशिप जीती।

- इस टूर्नामेन्ट का आयोजन 13 से 19 जनवरी 2025 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया।

खोखो के बारे में

- खो खो एक भारतीय मैदानी खेल है जो कि भारत के सबसे पुराने पारंपरिक टैग खेलों में से एक है।
- खोखो को प्राचीन काल में खो ध्वनि क्रीड़ा के नाम से भी जाना जाता है
- खो खो को पहली बार 1936 के बर्लिन ओलंपिक में दिखाया गया था।
- खो-खो में दो टीमें होती है। प्रत्येक टीम में 12 खिलाड़ी होते हैं
- खो खो में पीछा करने वाली और बचाव करने वाली दोनों टीमों के पास 7-7 मिनट होते है।

@resultmitra www.resultmitra.com

खान अब्दुल गफ्फार खान-चर्चा में

चर्चा में

खान अब्दुल गफ्फार खान जिन्हें सीमांत गांधी के नाम से जाना जाता है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे।

जन्म - 6 फरवरी 1890

मृत्यु - 20 जनवरी 1988

भारत रत्न - 1987

- अहिंसा के पुजारी के रूप में जाना जाता है।
- 1930 में खुदाई खिदमतगार नाम का संगठन बनाया।
- भारत रत्न पाने वाले पहले गैर भारतीय
- बादशाह खान और बच्चा खान के नाम से प्रसिद्ध

Result Mitra

खान अब्दुल गफ्फार खान-चर्चा में

पुरस्कार और सम्मान

1. भारत रत्न:
    - 1987 में, खान अब्दुल गफ्फार खान को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान "भारत रत्न" से सम्मानित किया गया।
    - वे यह पुरस्कार पाने वाले पहले गैर-भारतीय नागरिक थे।
2. अन्य सम्मान:
    - उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति और अहिंसा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।
    - उनका नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए भी प्रस्तावित किया गया था।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

1. खुदाई खिदमतगार (Servants of God):

- 1929 में खान अब्दुल गफ्फार खान ने खुदाई खिदमतगार नामक एक अहिंसक आंदोलन की स्थापना की।
- इसे "लाल कुर्ती आंदोलन" (Red Shirt Movement)भी कहा जाता है क्योंकि इसके सदस्य लाल रंग की पोशाक पहनते थे।
- यह आंदोलन:
    - ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ था।
    - पख्तून समाज में सुधार और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समर्पित था।
    - अहिंसा और सत्याग्रह पर आधारित था।

2. महात्मा गांधी के साथ संबंध:

- खान अब्दुल गफ्फार खान महात्मा गांधी के विचारों और अहिंसा के सिद्धांतों से अत्यधिक प्रभावित थे।
- वे गांधी जी के घनिष्ठ मित्र बन गए और उन्हें "सीमांत गांधी" की उपाधि मिली।
- उन्होंने गांधी जी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया।

3. अहिंसा का प्रचार:

- पख्तून जैसे योद्धा समुदाय में अहिंसा का प्रचार करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन खान अब्दुल गफ्फार खान ने यह असंभव कार्य कर दिखाया।
- उन्होंने साबित किया कि पख्तून समुदाय भी अहिंसक हो सकता है और शांति का मार्ग अपना सकता है।

4. भारत की स्वतंत्रता और विभाजन:

- खान अब्दुल गफ्फार खान भारत के विभाजन (1947) के घोर विरोधी थे।
- वे अखंड भारत के पक्षधर थे और मानते थे कि विभाजन भारतीय मुसलमानों और हिंदुओं के बीच स्थायी विभाजन पैदा करेगा।
- विभाजन के बाद उनका क्षेत्र (NWFP) पाकिस्तान में चला गया।
- उन्होंने पाकिस्तान में पख्तून लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखा।